1

ओ३म्

कृण्वन्तो विश्वमार्यम्

साप्ताहिक
आर्य सन्देश

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा का मुख पत्र

इस अंक का मूल्य : 10 रुपये
वर्ष 48, अंक 7– एक प्रति, 5 रुपये
सोमवार 16 दिसम्बर, 2024 से रविवार 22 दिसम्बर, 2024
विक्रमी सम्वत् 2081 सृष्टि सम्वत् 1960853125
दयानन्दाब्द : 201 वार्षिक शुल्क : 250 रुपये पृष्ठ 8
दूरभाष : 23360150 ई–मेल : aryasabha@yahoo.com
इंटरनेट पर पढ़ें – www.thearyasamaj.org/aryasandesh

200वीं महर्षि दयानन्द सरस्वती जयन्ती 1824-2024

आर्य समाज के 150वें स्थापना वर्ष के आयोजनों का

1875 **शुभारंभ** 2025

महर्षि दयानन्द सरस्वती जी की 200वीं जयन्ती स्मृति डाक टिकट का लोकार्पण

आर्य समाज 150 स्वर्णिम वर्ष — मानव सेवा के — कृण्वन्तो विश्वमार्यम् — 1875 ~ 2025

15 दिसंबर 2024 भारत मंडपम प्रगति मैदान नई दिल्ली के विशाल सभागार में डाक टिकट एवं आर्य समाज के 150 वें स्थापना वर्ष के आयोजनों के लोगो का लोकार्पण–शुभारंभ करते हुए माननीय रक्षामंत्री जी, गुजरात के राज्यपाल जी एवं सुरेंद्र कुमार आर्य जी तथा उपस्थित आर्य समाज के अधिकारी एवं जनसमूह

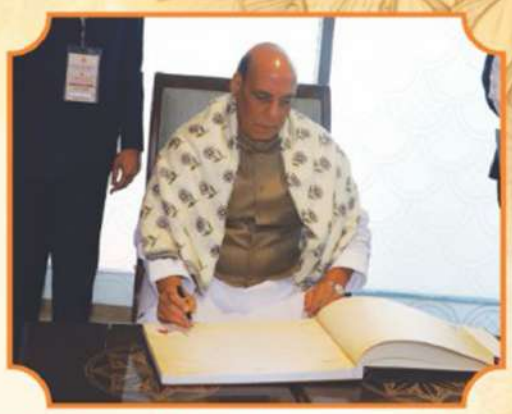

भारत मंड्पम में माननीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह जी का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत करते हुए आचार्य देवव्रत जी एवं सुरेंद्र कुमार आर्य जी तथा महर्षि के प्रति अपने भाव स्मरण पुस्तिका में अंकित करते हुए रक्षामंत्री जी

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए रक्षामंत्री जी, राज्यपाल जी, बीरेंद्र सचदेवा जी, सुरेन्द्र कुमार आर्य जी एवं अन्य

माननीय रक्षामंत्री जी को सम्मान पत्र भेंट करते हुए आचार्य देवव्रत जी एवं वेद का सैट भेंट करते हुए सुरेंद्र कुमार आर्य जी

रक्षा मंत्री जी को शाल उड़ाकर सम्मानित करते हुए श्री राकेश ग्रोवर जी एवं सुरेंद्र कुमार आर्य जी

माननीय रक्षा मंत्री जी का पीतवस्त्र से स्वागत धर्मपाल आर्य जी

आर्य वीरदल का लोगो, ओम का चिन्ह भेंट करते हुए सुरेन्द्र कुमार आर्य जी, स्वामी देवव्रत जी, योगी सूरी जी

माननीय रक्षामंत्री जी को महर्षि दयानंद का चित्र, भेंट करते हुए सुरेन्द्र कुमार आर्य जी एवं प्रकाश आर्य जी

रक्षामत्री जी से स्मृति चिन्ह प्राप्त करते हुए श्री राज कुमार जी

एवं दिल्ली सभा को 11 लाख का चेक देते हुए श्री अशोक मित्तल जी

महर्षि दयानन्द सरस्वती 200वीं जयन्ती स्मृति डाक टिकट लोकार्पण एवं आर्यसमाज के 150वें स्थापना वर्ष के आयोजनों का शुभारम्भ

विश्वप्रसिद्ध भारत मंडपम में रक्षामन्त्री श्री राजनाथ सिंह ने किया प्रतीक चिह्न (लोगो) का अनावरण

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के प्रथम योद्धा थे महर्षि दयानन्द सरस्वती - राजनाथ सिंह

महर्षि के राष्ट्रवादी चिंतन और विचारों से प्रभावित थे विश्व के महापुरुष - आचार्य देवव्रत

समाज और राष्ट्र की समस्याओं का समाधान करना है - आर्य समाज का मूल मंत्र - सुरेन्द्र कुमार आर्य

150वें स्थापना वर्ष के देश व्यापी आयोजनों की समर्पित भाव से तैयारी करें - आर्यजन -धर्मपाल आर्य

अध्यात्म, समाज और राष्ट्र के लिए महर्षि की देन सदा रहेगी अविस्मरणीय - प्रकाश आर्य

राष्ट्र और मानव सेवा को समर्पित आर्य समाज निरंतर अपने लक्ष्य और उद्देश्य को प्राप्त करते हुए नए युग की ओर बढ़ रहा है। 19वीं सदी के महामानव महर्षि दयानंद सरस्वती का 200वां जयंती वर्ष और आर्य समाज का 150 वां स्थापना वर्ष देश और दुनिया में एक नई जागृति का संदेश लेकर आया है। चारों ओर उमंग, उत्साह और उल्लास का वातावरण है। आर्य समाज द्वारा इन विशेष अवसरों पर पिछले डेढ़ वर्षो में एक बढ़कर एक विशाल और विराट आयोजनों में भारत राष्ट्र की ओर से माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी, गृहमंत्री श्री अमित शाह जी, विभिन्न राज्यों के राज्यपाल, मुख्यमंत्री, सांसद, विधायक और अनेकानेक सम्मानित महानुभावों ने महर्षि दयानंद सरस्वती जी के प्रति कृतज्ञता और आर्य समाज द्वारा संचालित 150 वर्षो की मानव सेवा और आधुनिक भारत के निर्माण में योगदान के लिए उन्मुक्त हृदय से प्रशंसा आभार व्यक्त किया है।

इस वृहद श्रृंखला में 15 दिसंबर 2024 को भारत मंडपम प्रगति मैदान, नई दिल्ली के भव्य भवन में महर्षि दयानंद सरस्वती जी की 200 की जयंती के अवसर पर डाक विभाग, भारत सरकार द्वारा डाक टिकट और आर्य समाज के 150वें वर्ष के लोगो-चिन्ह का लोकार्पण करके आगामी वर्ष के अयोजनों का शुभारंभ भारत के यशस्वी रक्षामंत्री श्री राजनाथ सिंह जी ने अपने करकमलों से किया। इस अवसर पर गुजरात के माननीय राज्यपाल, आचार्य देवव्रत जी, ज्ञान ज्योति पर्व महोत्सव आयोजन समिति एवं जेबीएम ग्रुप के अध्यक्ष श्री सुरेंद्र कुमार आर्य जी, दिल्ली बीजेपी के अध्यक्ष श्री वीरेंद्र सचदेवा जी, दिल्ली आर्य प्रसिद्ध सभा के प्रधान श्री धर्मपाल आर्य जी, आर्य वीर दल के प्रधान संचालक, स्वामी देवव्रत जी, श्री प्रकाश आर्य जी, पूर्व राज्यपाल, बाबू श्री गंगा प्रसाद जी, आर्य समाज युवक सभा के अध्यक्ष श्री योगी सूरी जी, डाक विभाग के अधिकारी श्री अखिलेश कुमार पांडेय जी, श्री सुरेंद्र रैली जी, श्री विद्यामित्र ठुकराल जी, श्री राकेश ग्रोवर जी, श्री योगेश आत्रेय जी और दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के समस्त अधिकारी, विभिन्न प्रांतीय सभाओं के अधिकारी, आर्य केंद्रीय सभा, दिल्ली के समस्त वेद प्रचार मंडलों के अधिकारी और अनेक आर्य नर-नारी उपस्थित थे।

आर्यसमाज के 150वें स्थापना वर्ष के आयोजनों का शुभारम्भ आर्यसमाज द्वारा पारित प्रस्ताव एवं समर्थन

इस अवसर पर आर्य समाज की ओर से दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के महामंत्री विनय आर्य जी द्वारा माननीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह जी एवं गुजरात के राज्यपाल माननीय आचार्य देवव्रत जी और समस्त आर्य समाज के अधिकारियों तथा उपस्थित जनसमूह के समक्ष तीन प्रस्ताव रखे गए, जो कि ओम के जयघोष के साथ हाथ उठाकर सर्वसम्मति से पारित हुए।

1. **भारत सरकार द्वारा प्रस्तावित वक्फ बोर्ड बिल का स्वागत और समर्थन करता है - आर्य समाज**
2. **बांग्लादेश में अल्पसंख्यक, हिंदुओं पर अत्याचार के घटनाक्रम की निंदा और भारत सरकार से कठोर कदम उठाने की मांग करता है - आर्य समाज**
3. **भारत में जातिगत जनगणना की मांग वैदिक सिद्धांतों के विरुद्ध है, इसका पुरजोर विरोध करता है - आर्य समाज**

आर्य समाज के उपरोक्त तीनों प्रस्तावो पर माननीय रक्षामंत्री श्री राजनाथ सिंह जी सहित पूरे मंच और उपस्थित आर्यजनों के समूह ने हाथ उठाकर ओम ध्वनि के साथ समर्थन किया।

150वें आर्यसमाज स्थापना वर्ष के प्रतीक चिह्न (लोगो) को समस्त पत्रों, लैटर हैड, लिफाफे आदि पर उपयोग अवश्य करें

कार्यक्रम में उपस्थित आर्यजनों के विशाल जनसमूह का अभिनंदन और स्वागत करते हुए दिल्ली सभा के महामंत्री श्री विनय आर्य जी ने विशिष्ट अतिथियों का परिचय और स्वागत करते हुए सभी का पधारने पर आभार भी किया और सभी के विषय में आर्य समाज के प्रति जो समर्पण का भाव है उसे भी संक्षिप्त रूप में प्रस्तुत किया। सर्वप्रथम दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान श्री धर्मपाल आर्य जी ने भारत मंडपम में उपस्थित आर्यजनों का सामूहिक स्वागत करते हुए अपने संक्षिप्त संबोधन में कहा कि महर्षि दयानंद सरस्वती जी के 200वें जयंती वर्ष और आर्य समाज स्थापना के 150वें वर्ष के अवसर पर भारत सरकार के डाक विभाग द्वारा डाक टिकट का लोकार्पण और आर्य समाज के स्थापना के आयोजनों के शुभारंभ अवसर पर आप सभी का सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि और दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा की ओर से स्वागत और अभिनंदन है। आप सभी सर्दी के इस मौसम में यहां पर उपस्थित हुए और आने-जाने में असुविधा भी होना संभव है, उसके लिए हम आपके आभारी हैं। इसके उपरांत आर्य समाज के परिचय का एक वीडियो प्रदर्शित किया गया, जिसमें विश्व में व्यापक आर्य समाज के 15,000 हजार संस्थाओं का परिचय और जो आर्य समाज द्वारा शिक्षा, चिकित्सा और सेवा के अनेक प्रकल्पों का वर्णन दिखाया गया। पिछले डेढ़ वर्ष के आयोजनों का एक संक्षिप्त वीडियो जिसमें 12 फरवरी 2023 से लेकर अब तक के कार्यक्रमों की यात्रा का विधिवत सचित्र वर्णन किया गया।

इसी बीच कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, भारत के यशस्वी, रक्षामंत्री माननीय राजनाथ सिंह जी का पदार्पण हुआ और वेद मंत्रों के उच्चारण के साथ उनका स्वागत किया गया। उपस्थित जनसमूह ने भी करतल ध्वनि से उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर आर्य समाज के गुरुकुलों, विद्यालयों, अनाथालयों और अन्य शिक्षण संस्थानों के बच्चों ने 'एक है ईश्वर, एक वेद है, आर्य समाज हमारा है' वैदिक गीत पर सामूहिक सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुत कर सबका मन मोह लिया। इस क्रम में महर्षि दयानंद के उपकारों पर आधारित गीत पर बच्चों ने सांस्कृतिक नृत्य और योगासन से सबको भावविभोर कर दिया। जिससे प्रभावित होकर माननीय राजनाथ सिंह जी, आचार्य देवव्रत जी और श्री सुरेन्द्र कुमार आर्य जी ने बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए सामूहिक फोटो भी खिंचवाए।

इसके बाद आर्य समाज के 150 वर्षो की सेवा और बलिदान की यात्रा का सचित्र वीडियो देखकर सभी अभिभूत हो गए। माननीय राजनाथ सिंह जी का आर्य समाज की ओर से स्वागत किया गया, जिसमें श्री धर्मपाल आर्य जी ने पीतवस्त्र पहनाया, श्री योगी सूरी जी ने ओम का चिन्ह और सुरेंद्र कुमार आर्य जी ने वेदों का सेट भेंट किया, श्री प्रकाश आर्य जी ने महर्षि दयानंद का चित्र, स्वामी देवव्रत जी और श्री सुरेंद्र कुमार आर्य जी ने सम्मान पत्र और सामूहिक रूप से शाल ओढ़ाकर सम्मान किया। सम्मान के इस क्रम में श्री सुरेंद्र रैली जी ने राज्यपाल महोदय का पीत वस्त्र से स्वागत किया, विद्यामित्र ठुकराल जी ने ओम का चिन्ह श्री सुरेंद्र कुमार आर्य जी ने चारों वेदों का सेट, जोगेंद्र खट्टर जी और बृहस्पति आर्य जी

- शेष पृष्ठ 4 एवं 5 पर

पृष्ठ 3 का शेष

आर्यसमाज के 150वें स्थापना वर्ष के आयोजनों का शुभारम्भ

ने आर्य वीरदल का चिन्ह और योगेश आत्रेय जी ने महर्षि दयानंद का चित्र आचार्य जी को भेंट किया। श्री राजनाथ सिंह जी ने श्रीमती सुषमा शर्मा जी, श्री राजकुमार गुप्ता जी, श्री सतीश चड्ढा जी, श्री ऋषि शर्मा जी, सुपुत्र सुदर्शन शर्मा, प्रधान, पंजाब आर्य प्रतिनिधि सभा, काकड़वाड़ी, मुंबई आर्य समाज के प्रधान श्री हरीश जी और श्री विजय जी को स्मृति चिन्ह भेंट करके सम्मानित किया। इस अवसर पर त्रिनिदाद से पधारी श्रीमती रत्ना कांगन जी को भी स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।

इस अवसर पर भाजपा नेता श्री योगेश आत्रेय जी ने अपने संक्षिप्त उद्बोधन में देश के यशस्वी रक्षामंत्री श्री राजनाथ सिंह जी की महर्षि दयानंद सरस्वती और आर्य समाज के प्रति श्रद्धा निष्ठा का परिचय देते हुए कहा कि माननीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह जी आर्य समाज की विचारधारा से प्रारंभ से ही जुड़े रहे हैं। आप उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे और जब उत्तर प्रदेश में शिक्षा मंत्री थे तो आपने वैदिक गणित को पाठ्यक्रम से जोड़कर वेदों के प्रति अपनी निष्ठा का परिचय दिया था। महर्षि ने छुआछूत को मिटाने का कार्य किया तो आपने भी दो दलित बच्चों को गोद उन्हें लेकर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। आप जब भारत के गृहमंत्री थे तो आपने 2018 में आर्य समाज के महासम्मेलन के अवसर पर पाकिस्तान में जो आर्य समाज के प्रतिनिधि थे, उनको भारत आने में दिक्कत हो रही थी, उस समस्या का समाधान भी पूरी शिद्दत से किया था। आप एक महान व्यक्तित्व हैं और आपके कृतित्व भी महान है। योगेश आत्रेय जी ने आयोजकों को इस आयोजन के लिए बधाई देते हुए महर्षि दयानंद सरस्वती जी को नमन किया और आर्य समाज के सेवा कार्यों की प्रशंसा की। वक्ताओं के इस क्रम में सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा कोर कमेटी के सदस्य और मध्य भारत आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान श्री प्रकाश आर्य जी ने महर्षि दयानंद सरस्वती जी की 200 वीं जयंती पर उन्हें नमन करते हुए एक चिकित्सक की उपमा प्रदान की। आपने अपने संदेश में कहा कि महर्षि दयानंद वह महापुरुष थे, जिन्होंने समाज को प्रचलित अनेक कुरीतियों से बचाया, स्वदेशी अपनाने का संदेश दिया। अध्यात्म, समाज और राष्ट्र के लिए महर्षि की देन सदैव अविस्मरणीय रहेगी। 150वां स्थापना वर्ष है, हम सब आर्यजनों के लिए सेवा क्षेत्र में प्रगती-उन्नति का संकल्प लेने का अवसर है। हमें यहां पर रक्षा मंत्री और राज्यपाल जी के पधारने पर और अधिक संबल मिलेगा। हम सेवा कार्यों को और आगे बढ़ाएंगे और महर्षि के अधूरे सपनों को पूरा करेंगे।

दिल्ली बीजेपी के अध्यक्ष श्री वीरेंद्र सचदेवा जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज यहां आकर हृदय गर्व और प्रेरणा से भर गया है। महर्षि दयानंद ने दीपक की भांति प्रज्ज्वलित होकर समाज को रोशन किया। यह आर्य समाज का 150वां पड़ाव है, हमें और आगे बढ़ना है। भारत की वैदिक सांस्कृतिक पहचान के स्वामी दयानंद प्रकाश पुंज थे। उन्होंने वेदों की ओर लोटो अर्थात सत्य की ओर लोटो का उद्घोष किया। आज के युग में यह एक यक्ष प्रश्न है, वेद ने संपूर्ण विश्व को चेतना दी और आर्य समाज ने कुरीतियों को दूर भगाया। स्वामी जी के विचार और आर्य समाज के महापुरुषों का भारत की उन्नति में बहुत बड़ा योगदान है। आज आर्य समाज भारत को विश्व गुरु बनाने की ओर अग्रसर है, भारत की राजधानी में आर्य समाज कुरीतियों को दूर भगाने के लिए आगे आए, क्योंकि बहुत से लोग हाथ में कलावा बांधकर छल-कपट का कार्य कर रहे हैं। वेद का ज्ञान ही हमें बचा सकता है। आर्यत्व का उद्घोष अमर है, महर्षि की ज्योति अमर है। इन प्रेरक पंक्तियों के साथ उन्होंने अपना भाषण समाप्त किया।

इस अवसर पर गुजरात के राज्यपाल माननीय देवव्रत जी ने रक्षामंत्री जी के महान व्यक्तित्व की प्रशंसा करते हुए, अपने उद्बोधन में कहा कि ऋषि दयानंद ने जब जन्म लिया तब अनेक बुराइयां समाज में व्याप्त थी। देश गुलाम था, उस समय में उन्होंने अंग्रेजों, मुगलों के खिलाफ आवाज उठाई और महर्षि की प्रेरणा से उनके अनेक शिष्यों ने समाज को दिशा देने का कार्य किया। स्वामी श्रद्धानंद जी ने 1902 में गुरुकुल कांगड़ी की स्थापना की, जहां से अनेक विद्वान पूरे देश और दुनिया में वैदिक धर्म, संस्कृति का प्रचार-प्रसार करने के लिए आए महर्षि की प्रेरणा से सैकड़ो गुरुकुल खोले गए, उनमें अनेक देशभक्त पैदा हुए, चाहे भाई परमानंद हो, सरदार भगत सिंह हो, श्याम जी कृष्ण वर्मा हो, सबने देश की आजादी में अपना योगदान दिया, महर्षि के राष्ट्रवाद के विचार से प्रभावित देश के अनेक महापुरुषों ने उनकी प्रशंसा की, महर्षि दयानंद सरस्वती के विचारों पर आधारित आर्य समाज आज भी राष्ट्रवाद के लिए समर्पित संस्था है और संसार का उपकार करने के लिए सदैव अग्रसर है। आपने आर्य समाज द्वारा पिछले डेढ़ वर्षों में आयोजित हुए सभी सफल आयोजनों का प्रेरक वर्णन किया और आयोजकों को बधाई दी।

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के पहले योद्धा थे महर्षि दयानन्द -राजनाथ सिंह

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पर भारत के माननीय रक्षामंत्री श्री राजनाथ सिंह ने अपने विशेष उद्बोधन में महर्षि दयानंद सरस्वती जी को नमन करते हुए अपने संदेश में कहा कि आज भारत की आजादी का अमृतकाल चल रहा है। यह संयोग है कि आर्य समाज के संस्थापक स्वामी दयानंद सरस्वती की 200वीं जयंती वर्ष मनाया जा रहा है। जिस तरह स्वामीजी ने एक जागरुक सांस्कृतिक भारत की कल्पना की थी, उसी तरह हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकसित भारत के निर्माण का लक्ष्य रखा है। हमारा मानना है इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए हमें सांस्कृतिक जागरूकता का माहौल बनाने की जरूरत है। गुजरात की धरती पर जब स्वामीजी का जन्म हुआ था तब देश अंग्रेजों की बेड़ियों में जकड़ा हुआ था। अंग्रेजी शासक भारत और भारतीय संस्कृति को दोयम दर्जे का बताकर उसका सार्वजनिक रूप से उपहास उड़ाते थे। स्वामी दयानंद सरस्वती ने भारत की सोई चेतना को जगाने का काम किया। उन्होंने कहा कि उनका प्रभाव अंग्रेजी शासन से लड़ने वाले लाला लाजपत राय, राम प्रसाद बिस्मिल, स्वामी श्रद्धानंद जैसे कई महापुरुषों पर पड़ा। स्वातंत्रय वीर सावरकर ने उनकी भूमिका और योगदान के बारे में लिखा है कि स्वामीजी भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के पहले योद्धा थे। उन्होंने ही सबसे पहले स्वराज की मांग की थी।

रक्षामंत्री जी के भाषण के प्रमुख बिंदु

स्वामी दयानंद सरस्वती जी भारत की सांस्कृतिक चेतना को जगाने वाले प्रखर राष्ट्र ऋषि माने जाते हैं। उनकी जन्म जयंती के द्विशताब्दी वर्ष को पूरे देश में बड़े उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। भारत सरकार ने इस अवसर पर एक विशेष डाक टिकट जारी किया है।

मेरा हमेशा यह मानना रहा है कि हर राजनीतिक और राष्ट्रीय लक्ष्य को पूरे करने का एक सामाजिक और सांस्कृतिक धरातल तैयार करना पड़ता है। इसलिए हमें यदि 'विकसित भारत' का निर्माण करना है तो भारत में फिर से एक सांस्कृतिक पुनर्जागरण का वातावरण बनाना

- जारी पृष्ठ 5 पर

यह डाक टिकट
ऑनलाइन खरीदें और
घर बैठे प्राप्त करें सम्पूर्ण भारत में
होम डिलीवरी की सुविधा
vedicprakashan.com
दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा का ऑनलाइन स्टोर
96501 83336

डाक विभाग
भारत सरकार द्वारा
भारतीय डाक
India Post

महर्षि दयानन्द सरस्वती जी की
200वीं जयन्ती पर जारी
स्मृति डाक टिकट

सरकार द्वारा जारी किए जाने वाले स्मृति डाक टिकट सीमित संख्या में और एकमुश्त केवल बार ही प्रकाशित किए जाते हैं। अत: समस्त आर्यजनों, आर्यसमाजों, आर्य संगठनों, विद्यालयों, गुरुकुलों, प्रान्तीय आर्य प्रतिनिधि सभाओं से निवेदन है कि अपने पास स्मृति रूप में डाक टिकट रखने तथा जन साधारण में प्रचार-प्रचार के लिए अधिकाधिक संख्या में खरीदकर प्रचार करें, अपने दैनिक पत्र-व्यवहार, स्पीड पोस्ट, रजिस्टर्ड डाक आदि में प्रत्येक स्थान पर उपयोग करें, जिससे कि हजारों-लाखों आखों और हाथों से होते हुए यह प्रचारित हो और महर्षि दयानन्द सरस्वती जी के 200वें जन्म वर्ष की स्मृति रूप में सुरक्षित रहे। आप अपनी संस्था के लिए जितनी डाक टिकटें प्राप्त करना चाहते हैं, कृपया उसकी संख्या के अनुसार अपनी सहयोग राशि 5/- प्रति डाक टिकट की दर से निम्नांकित बैंक खाते में जमा करा दें या राशि का चैक/बैंक ड्राफ्ट 'दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा' के नाम 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली-110001 के पते भेजें।

Delhi Arya Pratinidhi Sabha
A/c No. : 2009257009039 IFSC :CNRB0002009
Canara bank New Delhi Branch

महर्षि दयानन्द सरस्वती 200वीं जयन्ती स्मृति डाक टिकट लोकार्पण .....

होगा। आज भारत की आजादी का अमृतकाल चल रहा है और यह भी संयोग है कि स्वामी जी का द्विशताब्दी वर्ष भी इसी दौरान चल रहा है। जैसे स्वामीजी ने एक जागरुक सांस्कृतिक भारत की कल्पना की थी, वैसे ही हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने विकसित भारत के निर्माण का कार्य कर रहे हैं।

वेदों में बहुत सा ज्ञान ऐसा है जिनका सहारा लेकर हम आधुनिक युग की समस्याओं के भी समाधान ढूँढ़ सकते हैं। उदाहरण के लिए आज पूरी दुनिया में पर्यावरण से जुड़ी तमाम समस्याओं के समाधान ढूँढने पर ज़ोर दिया जा रहा है। जलवायु परिवर्तन एक बड़ा ख़तरा बन चुका है।

वैदिक गणित से आज पूरी दुनिया परिचित हो रही है। शोध कार्यों से पता चलता है कि वैदिक गणित न केवल calculation के लिए, बल्कि बच्चों के बौद्धिक विकास के लिए भी बहुत उपयोगी है। हमारे वेद, ऐसी विद्याओं के आगाज हैं वेद, बहुत सारी गणितीय अवधारणाओं का उल्लेख करते हैं। इसलिए यह माना जा सकता है कि एक विज्ञान के रूप में गणित भी वैदिक काल में अस्तित्व में था।

यह वेद ही थें, जिन्होंने न सिर्फ ज्ञान के प्रकाश पुंज के रूप में कार्य किया बल्कि विधि-विधान व सामाजिक नियमों के रूप में भी भारत की संस्कृति का मार्गदर्शन किया

हमारे वेद, भारतीय ज्ञान विज्ञान की गंगोत्री की तरह है। बिना उद्गम समझे भारतीय ज्ञान गंगा का विस्तार समझ पाना मुश्किल ही नहीं ना मुमकिन है। इसलिए स्वामीजी ने मूल की तरफ़ ही सबका ध्यान आकृष्ट किया।

उन्नीसवीं शताब्दी को भारतीय इतिहास में 'सांस्कृतिक पुनर्जागरण' की शताब्दी माना जाता है क्योंकि उस समय स्वामी दयानंद सरस्वती के साथ कई ऐसे महापुरुष थे जिन्होंने भारत की सोई हुई चेतना को जगाने का काम किया।

भारत में स्वदेशी वस्तुओं का आग्रह सबसे पहले स्वामी दयानंद सरस्वती जी ने किया था। हम लोग जब स्वराज की बात करते हैं तो सबसे पहले लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक जी को याद करते हैं मगर उनसे भी पहले इस देश में किसी ने स्वराज की माँग की थी तो वे स्वामी दयानंद सरस्वती ही थे।

स्वामी दयानन्द जी केवल एक वेदों की मीमांसा करने वाले ऋषि मात्र ही नहीं थे, बल्कि वे देश में नई सांस्कृतिक यात्रा के प्रकाश पुंज थे। स्वातंत्रय वीर सावरकर ने उनकी भूमिका और योगदान के बारे में लिखा है कि स्वामीजी भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के पहले योद्धा थे।

स्वामी दयानंद सरस्वती जी का प्रभाव कई ऐसे महापुरुषों पर भी पड़ा जो अंग्रेज़ी शासन के विरुद्ध संघर्ष कर रहे थे। लाला लाजपत राय, राम प्रसाद बिस्मिल, स्वामी श्रद्धानंद, क्रांतिकारियों की एक पूरी श्रंखला तैयार हुई , जो आर्य समाज की देन थी।

जब स्वामीजी का जन्म दो सौ साल पहले गुजरात की धरती पर हुआ था तो उस समय भारत अंग्रेजी दासता की बेड़ियों में जकड़ा हुआ था। यह वह दौर था जब अंग्रेज़ी शासक भारत और भारतीय संस्कृति को दूसरे दर्जे का बता कर उसका सार्वजनिक रूप से उपहास उड़ा रहे थे। यह वर्ष देश स्वामी दयानन्द सरस्वती जी की 200वीं जन्म जयंती वर्ष के रूप में पूरे देश में मनाया जा रहा है। मैं आज इस अवसर पर महर्षि दयानन्द जी के चरणों में प्रणाम करता हूँ, उन्हें नमन करता हूं।

समाज और राष्ट्र की समस्याओं का समाधान करना है - आर्यसमाज का मूल मन्त्र - सुरेन्द्र कुमार आर्य

ज्ञान ज्योति पर्व महोत्सव आयोजन समिति के अध्यक्ष एवं जे.बी.एम. ग्रुप के चेयरमैन श्री सुरेन्द्र कुमार आर्य जी ने इस अवसर पर अपने विशेष उद्बोधन में कहा कि आज बड़े ही हर्ष एवं सौभाग्य का विषय है कि देश के गौरव, भारत मंडपम के विशाल सभागार में महर्षि दयानंद जी के विशाल चरित्र, सोच और कार्यों के प्रति कृतज्ञता का भाव लिए उनकी स्मृति को अमिट बनाने हेतु भारत सरकार द्वारा विशेष डाक टिकट के अनावरण समारोह के हम सब साक्षी बन रहे हैं। पिछले दो वर्षों में महर्षि दयानंद जी की 200वीं जयंती के विभिन्न आयोजनों में भारत की राष्ट्रपति महोदया श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी, यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी, गृहमंत्री श्री अमित शाह जी, अनेक माननीय राज्यपाल एवं मुख्यमंत्रियों ने 200वीं जयंती पर महर्षि दयानंद को स्मरण किया है । आज हमारा सौभाग्य है कि, इस विशेष अवसर पर भारत की रक्षा की बागडोर मजबूती से संभाल रहे माननीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह जी हमारे मुख्य अतिथि के रूप में हम सबके बीच उपस्थित हैं। मैं संपूर्ण आर्य जगत की ओर से आपका हार्दिक अभिनंदन और आभार व्यक्त करता हूं।

माननीय महोदय, आर्य समाज का इतिहास एक क्रांतिकारी परिवर्तनकारी संगठन का रहा है, आपका भी बहुत लंबे समय से आर्य समाज से संबंध रहा है, आप इसके संगठन एवं कार्यों से पूर्ण रूप से परिचित हैं, फिर भी कुछ बातें जो हम सबका गौरव बढ़ाती हैं, मैं आपके समक्ष रखना चाहूंगा, भारत में सर्वप्रथम स्वराज शब्द का प्रयोग महर्षि दयानंद सरस्वती ने किया जिससे एक नई चेतना जगी। शिक्षा जगत की पहचान DAV एवं गुरुकुल कांगड़ी जैसे अनेक संस्थान महर्षि दयानंद जी की प्रेरणा से ही स्थापित हुए।

इन्हीं संस्थानों ने नई चेतना जागृत की, महर्षि की बातों से ही प्रेरणा लेकर, शहीद भगत सिंह, उधम सिंह, पंडित राम प्रसाद बिस्मिल, भाई परमानंद, लाला हरदयाल जैसे हजारों क्रांतिकारी स्वतंत्रता आंदोलन में कूद पड़े। भारत में गौशालाएं नहीं हुआ करती थीं, देश की आर्थिक जरूरत को देखते हुए सर्वप्रथम भारत की पहली गौशाला का निर्माण भी महर्षि दयानंद सरस्वती जी ने ही वर्तमान सांसद राव इंद्रजीत जी के पूर्वज राव युधिष्ठिर जी के आग्रह पर हरियाणा के रेवाड़ी में किया था। भारत के सामाजिक और राष्ट्रीय क्षेत्र में परिवर्तन का शायद ही कोई ऐसा क्षेत्र हो। जिस पर आर्य समाज की छाप न रही हो। भारत के पहले स्वदेशी बैंक पंजाब नेशनल बैंक की स्थापना का विषय हो, चाहे हमारे अपने अनाथालयों के निर्माण की बात हो, कन्या गुरुकुलों की स्थापना या फिर जातिवाद और ऊंच-नीच के विरुद्ध आंदोलन को खड़ा करने की बात हो, आर्य समाज इन सभी क्षेत्रों में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

इस अवसर पर भारत के परिवर्तन की नींव रखने वाले महर्षि के अमर वाक्य ऐतिहासिक पुस्तक का विमोचन किया गया और महर्षि के वाक्य का पाठ एवं स्मरण भी किया गया। दिल्ली सभा के प्रधान श्री धर्मपाल आर्य जी ने उपस्थित सभी महानुभावों का आभार प्रकट किया और आर्यों के जन समूह को प्रेरित करते हुए कहा कि आर्य समाज के 150वें स्थापना वर्ष के आगामी आयोजनों का आज शुभारंभ हो गया है, इसके लिए हम समर्पित भाव से तैयारी में पूरी तरह से जुट जाए, सभी आर्यजन अपने-अपने स्थान और स्तर पर आर्य समाज के आयोजनों को भव्य रूप में समारोह पूर्वक सफल बनाने में अपना पूरा योगदान दें।

प्रेम सौहार्द के वातावरण में सारा कार्यक्रम विधिवत उत्साह पूर्वक सफलता के साथ संपन्न हुआ और शांति पाठ के बाद जलपान लेकर सभी लोग अपने गंतव्य की ओर प्रस्थान कर गए।

- ***सम्पादक***

भारत के परिवर्तन की नींव रखने वाले ✯ महर्षि दयानन्द के अमर वाक्य ✯

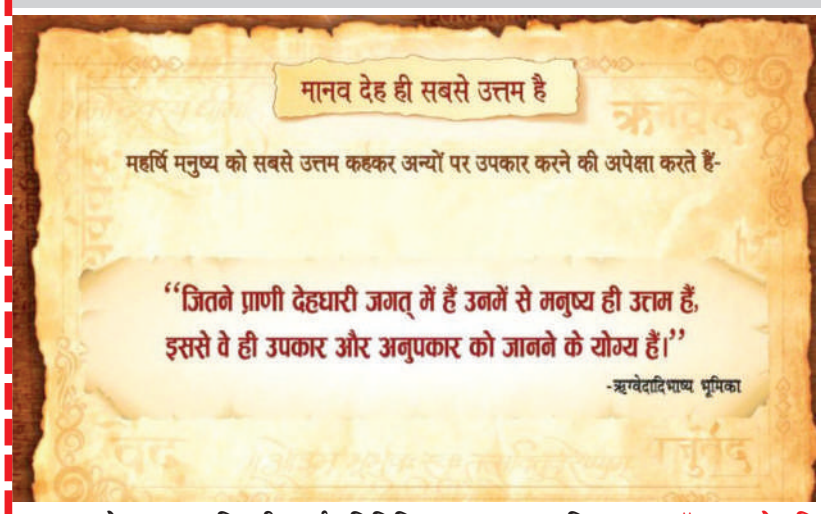

उपरोक्त वाक्य दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा द्वारा प्रकाशित पुस्तक "भारत के परिवर्तन क्रांति की नींव रखने वाले महर्षि के अमर वाक्य" से साभार नियमित स्तम्भ के रूप में प्रस्तुत किए जा रहे हैं। इन वाक्यों को पढ़कर आप महर्षि दयानन्द सरस्वती जी के विचारों, सिद्धान्तों और आर्यसमाज की मान्यताओं से परिचित हो सकते हैं तथा सोशल मीडिया पर प्रसारित करके परोपकार में सहभागी भी बन सकते हैं। पुस्तक प्राप्त करने के लिए सम्पर्क करें अथवा दिया गया कोड स्कैन करें -

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा
वैदिक प्रकाशन
15, हनुमान रोड, नई दिल्ली-110001
सम्पर्क सूत्र : 9540040339

आर्य परिवारों के विवाह योग्य सदस्यों के लिए
मनपसन्द जीवनसाथी खोजने की ऑनलाइन सुविधा

matrimony.thearyasamaj.org 7428894012

विश्वभर में आर्यसमाज की लहराती पताकाओं को दर्शाता
दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा द्वारा
वर्ष 2025 का कैलेण्डर प्रकाशित
आर्यसमाजें अधिकाधिक सख्या में अपने नाम से छपवाकर प्रचार करें

मूल्य 1200/-रुपये सैंकड़ा

200 प्रतियों से अधिक के आर्डर पर नाम से प्रकाशित करने की सुविधा अतिरिक्त शुल्क (300/- सैकड़ा) पर उपलब्ध है। सम्पर्क करें-

व्यवस्थापक, प्रकाशन विभाग
दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा (पं.),
15, हनुमान रोड, नई दिल्ली-1
दूरभाष : 011-23360150,
मो. 09540040339

ऑनलाइन प्राप्त करने हेतु कोड स्कैन/लॉगइन करें
www.vedicprakashan.com

ओ३म्
महर्षि दयानन्द के अनन्य शिष्य, महान राष्ट्रभक्त,
शिक्षाविद् आर्य समाज के नेता, स्वतंत्रता सेनानी,
अमर बलिदानी

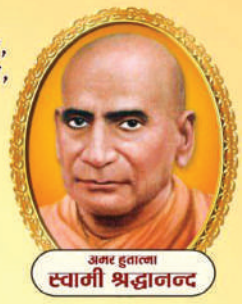

स्वामी श्रद्धानन्द
98वाँ बलिदान दिवस
बुधवार 25 दिसम्बर 2024

महर्षि दयानन्द सरस्वती की 200वीं जयंती के विशेष आयोजनों की श्रृंखला में

भव्य शोभायात्रा व सार्वजनिक सभा

स्वामी श्रद्धानन्द बलिदान भवन, नया बाजार, दिल्ली
यज्ञ : प्रात: 8 से 9:30 बजे
शोभायात्रा का प्रारम्भ : प्रात: 10 बजे

सार्वजनिक सभा : मध्याह्न 12:30 से 3:30 बजे
रामलीला मैदान, अजमेरी गेट, नई दिल्ली-2

इस अवसर पर वैदिक विद्वानों एवं आर्य कार्यकर्त्ताओं को स्मृति पुरस्कारों से भी सम्मानित किया जायेगा
अमर हुतात्मा स्वामी श्रद्धानन्द बलिदान दिवस पर हजारों की संख्या में पहुंचकर संगठन का परिचय दें

निवेदक

सुरेन्द्र कुमार रैली, प्रधान, 9810855695
मनीष भाटिया, कोषाध्यक्ष, 9910341153
आर्य सतीश चड्डा, महामन्त्री, 9313013123

आर्य केन्द्रीय सभा, दिल्ली राज्य (पंजी०)
15, हनुमान रोड, नई दिल्ली-110001

खेद व्यक्त

खेद है कि आर्यसमाज स्थापना के 150वें वर्ष के शुभारम्भ एवं 200वीं जयन्ती के स्मृति डाक टिकट के लोकार्पण समारोह तथा अन्य व्यस्तताओं के चलते आर्यसन्देश साप्ताहिक का गत अंक 7 वर्ष 48 दिनांक 9 से 15 दिसम्बर, 2024 प्रकाशित नहीं हो सका। पाठकों को हुई असुविधा के लिए खेद है। - *सम्पादक*

ओ३म्
भारत में फैले सम्प्रदायों की निष्पक्ष एवं तार्किक समीक्षा के लिए
उत्तम कागज, मनमोहक जिल्द एवं सुन्दर आकर्षण मुद्रण
(द्वितीय संस्करण से मिलान कर शुद्ध प्रामाणिक संस्करण)

सत्य के प्रचारार्थ — सत्यार्थ प्रकाश — सत्य के प्रचारार्थ

प्रचार संस्करण
(अजिल्द) 23x36%16
मुद्रित मूल्य ₹ 80 प्रचारार्थ मूल्य ₹ 60

विशेष संस्करण
(सजिल्द) 23x36%16
मुद्रित मूल्य ₹120 प्रचारार्थ मूल्य ₹80

पॉकेट संस्करण
मुद्रित मूल्य ₹80 प्रचारार्थ मूल्य ₹50

विशिष्ट पॉकेट संस्करण
मुद्रित मूल्य ₹150 प्रचारार्थ मूल्य ₹ 100

स्थूलाक्षर
(सजिल्द) 20x30%8
मुद्रित मूल्य ₹200 प्रचारार्थ मूल्य ₹120

उपहार संस्करण
मुद्रित मूल्य ₹1100 प्रचारार्थ मूल्य ₹750

सत्यार्थ प्रकाश
अंग्रेजी अजिल्द
मुद्रित मूल्य ₹250 प्रचारार्थ मूल्य ₹160

सत्यार्थ प्रकाश
अंग्रेजी सजिल्द
मुद्रित मूल्य ₹300 प्रचारार्थ मूल्य ₹200

प्रचारार्थ मूल्य पर कोई कमीशन नहीं

कृपया एक बार सेवा का अवसर अवश्य दें और महर्षि दयानन्द जी की अनुपम कृति सत्यार्थ प्रकाश के प्रचार प्रसार में सहभागी बनें..

आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट
427, मन्दिर वाली गली, नया बांस, दिल्ली-6
Ph : 011-43781191, 09650522778
E-Mail : aspt.india@gmail.com

JBM Group
Our milestones are touchstones

ENHANCING TECHNOLOGY
EMPOWERING PEOPLE
ENABLING INNOVATION

JBM Group stands committed towards creating value for all our stakeholders and consistently building sustainable business models via innovation and customer orientation programs, thereby creating stronger synergies for all our businesses.

Technology has been the bed rock and a key catalyst for our growth. Our persistence towards achieving excellence has transformed us and we have amalgamated our strengths and R&D acumen to make our products & services future-ready, through the power of People, Innovation and Technology.

JBM Group - Plot No.9, Institutional Area, Sector 44, Gurgaon – 122 002
91-124-4674500-550 | www.jbmgroup.com

साप्ताहिक आर्य सन्देश में छपे लेखों तथा विचारों से सम्पादक मंडल या दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा का सैद्धान्तिक मतैक्य होना आवश्यक नहीं है। - सम्पादक

रक्षा मंत्री जी से स्मृति चिन्ह प्राप्त करते हुए श्रीमती सुषमा शर्मा, सतीश चड्ढा एवं ऋषि शर्मा

आचार्य श्री देवव्रत जी को वेद सैट और ओम चिन्ह भेंट करते हुए प्रकाश आर्य जी, सुरेंद्र कुमार आर्य जी एवं विद्यामित्र तुकराल जी

राज्यपाल जी से स्मृति चिन्ह प्राप्त करते हुए श्रीमती रत्ना कांगन जी

आचार्य देवव्रत जी को सम्मानित करते हुए बृहस्पति आर्य, जोगेंद्र खाड्डर और योगेश आत्रेय

आचार्य देवव्रत जी को सम्मानित करते हुए सुरेन्द्र कुमार रैली जी

महर्षि दयानंद सरस्वती जी के अमर वाक्य पुस्तक का विमोचन करते हुए

प्रेरणाप्रद सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देते हुए आर्य समाज के विद्यालयों के छात्र छात्राएं तथा बच्चों के साथ सामूहिक चित्र में रक्षामंत्री जी, राज्यपाल जी और सुरेन्द्र कुमार आर्य जी

दिल्ली पोस्टल रजि.नं0 डी.एल.(एन.डी.)-11/6071/2024-25-2026

LPS, DRMS, दिल्ली -6 में पोस्ट करने का दिनांक 19-20-21/12/2024 (वीर-शुक्र-शनिवार

पूर्व भुगतान किए बिना भेजने का लाइसेन्स नं. यू. (सी.) 139/2024-25-26

आर. एन. नं. 32387/77 प्रकाशन तिथि: बुधवार 18 दिसम्बर, 2024

रक्षामंत्री जी से 150 वें स्थापना वर्ष का लोगो प्राप्त करते हुए ककड़्याड़ी, मुंबई आर्य समाज के अधिकारी श्री हरीश जी, विजय गौतम जी, श्री डी पी अग्रवाल जी एवं पूर्व राज्यपाल बाबू गंगा प्रसाद जी

महर्षि दयानंद सरस्वती जी की 200 वीं जयंती वर्ष पर स्मृति डाक टिकट का लोकार्पण करते हुए

राष्ट्रहित में आर्य समाज द्वारा प्रस्तावों का ओम ध्वनि के साथ हाथ उठाकर समर्थन करते हुए मंचस्थ महानुभाव एवं उपस्थित आर्यजनों का विशाल जनसमूह

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के लिए मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक श्री धर्मपाल आर्य द्वारा विद्या दर्शन ऑफसैट प्रिंटर्स यूनिट नं. 21, प्रधान कॅम्लेक्स, मेन रोड मंडवाली, दिल्ली -92 से मुद्रित एवं दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15-हनुमान रोड, नई दिल्ली-1 फोन : 23360150, 23365959, E-mail : aryasabha@yahoo.com; Web : www.thearyasamaj.org से प्रकाशित

सम्पादक : धर्मपाल आर्य सह सम्पादक : विनय आर्य व्यवस्थापक : शिवकुमार मदान सह व्यवस्थापक : आर्य डॉ. ओमप्रकाश भटनागर, एस. पी. सिंह

Foto Graphics
9811331874